उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मैव

स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

भारतीय कृषि अनसुंधान परिषद् नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से निर्मित स्वामी विवेकानन्द कृषि संग्रहालय का शुभारम्भ दिनांक 15 नवम्बर, 2019 को तात्कालीन माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र के कर कमलों द्वारा किया गया। राजस्थान के शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों का कृषि शिक्षा, अनुसंधान एव ंकृषि प्रसार में प्रतिनिधित्व रखने वाले स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में यह संग्रहालय इसके मुख्य द्वार के नजदीक ही बीकानेर–श्रीगंगानगर राष्ट्रीय मार्ग 62 पर बीकानेर शहर से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर स्वामी विवेकानन्द जी की 6.5 फीट ऊँची प्रतिमा इस की भव्यता को बढ़ाती है। इसका संचालन निदेशालय कृषि प्रसार शिक्षा के अधीन है।

संग्रहालय की मुख्य गतिविधियां–

- किसानों एवं कृषि शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान एवं कृषि प्रसार की गतिविधियों से अवगत करवाना।
- कृषि में नवाचारों को पोस्टर, मॉडल, जीवन्त प्रदर्शन एवं लघु फिल्मों द्वारा प्रदर्शित करना।
- किसानों एवं छात्रों द्वारा कृषि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय से समन्वयन कड़ी का काम करना।

- समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले कृषक प्रशिक्षणों में किसानों को जानकारी प्राप्त करने हेतु आमंत्रित करना।
- अन्तरराज्य एवं अन्तरजिला भ्रमण पर आने वाले कृषक एवं छात्र समूहों को तकनीकी प्रदर्शन के साथ–साथ विषय वस्तु विशेषज्ञों से जानकारी दिलवाना।

➢ **कृषि शिक्षा**– संग्रहालय में कृषि महाविद्यालय, बीकानेर, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय एवं कृषि व्यवसाय प्रबन्धन संस्थान की विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, छात्रों के प्लेसमेन्ट एवं कृषि शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों की जानकारी दी गई है। इन संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों को वर्ष में एक बार संग्रहालय का भ्रमण करवाया जाता है तथा विषय–विषेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित करवाये जाते हैं।

➢ **कृषि अनुसंधान**–विश्वविद्यालय अपने अधीन 6 जिलों (बीकानेर, झूंझुनूं, चुरु, जैसलमेर, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़) के किसानों की फसल उत्पादन एवं कृषि रोजगारोन्मुखी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कार्य कर रहा है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय बीज परियोजना भी संचालित है जो किसानों की बीज की मांग की पूर्ति करती है। संग्रहालय में चना, सरसों, मोठ, बाजरा, खजूर, ग्वार, बेर आदि प्रमुख फसलों के अनुसंधान परिणाम एवं उन्नत बीज किस्में प्रदर्शित की गई हैं। 'लो–टनल' तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, संरक्षित खेती, बून्द–बून्द सिंचाई अन्तर्गत खेती एवं मसाला खेती पर फ्लेक्स बोर्ड द्वारा जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

➢ **कृषि प्रसार शिक्षा** –किसानों के लिये संचालित राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा कृषि के क्षेत्र में नवाचारों को किसानों तक पहुँचाने के लिए कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों की जानकारी कृषि संग्रहालय में प्रदर्शित की गई है। किसानों की सफलता की कहानियों को भी प्रदर्शित कर अनुसरण करने को प्रोत्साहित किया जाता है। कृषि नवाचारों से सम्बन्धित विभिन्न प्रचार–प्रसार सामग्री (फोल्डर, लीफलेट, छोटी पुस्तकें) भी वितरित की जाती हैं।

कृषि में नवाचारों का प्रदर्शन– संग्रहालय में सौर ऊर्जा द्वारा खाना पकाने, फसल उत्पाद सुखाने, बाग–बगीचों में कीड़े मारने हेतु सोलर इंसेक्ट ट्रेपर का उपयोग एवं सोलर फाउण्टेन के मॉडल प्रदर्शित किये गये है। गांव स्वच्छता एवं ऊर्जा में आत्मनिर्भरता के साथ–साथ जैविक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बायोगैस संयंत्र के लोकप्रिय मॉडल ''दीनबन्धु'' की डिजाईन सम्बन्धित जानकारी देने वाला मॉडल प्रदर्शित किया गया है। भू–अपरदन रोकन एवं तेज हवाओं से फसल सुरक्षा हेतु 'फसल रक्षकपट्टी' का जीवन्त मॉडल प्रदर्शित किया गया है। बिना मृदा के सिंचाई जल में पोषक तत्वों का पोषण कर हाइड्रोपॉनिक्स तकनीक का सौर ऊर्जा से संचालित मॉडल आगन्तुकों को आकर्षित करता है। अन्तर्दहन इंजिन (दो स्ट्रॉक एवं चार स्ट्रॉक) के मॉडल, ट्रेक्टर का लघु मॉडल, कृषि यंत्रों के लघु मॉडल, विभिन्न प्रजातियों की गायों एवं बकरियों के मॉडल आगन्तुकों को बरबस अपनी ओर खींच लाते हैं। बीजों की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किसानों को नवीनतम किस्मों की जानकारी देता है। खेती में जल बचत को बढावा देने के लिये बून्द–बून्द सिंचाई का जीवन्त मॉडल प्रदर्शित किया गया है।

किसानों एवं विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु कृषि संग्रहालय में 170 सीटों वाला वातानुकूलित हॉल है जिसमें लघु फिल्म प्रदर्शित कर कृषि तकनीकों एवं कृषि में नवाचारों की जानकारी दी जाती है। आगंतुकों के संग्रहालय भ्रमण हेतु प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे का समय निर्धारित है। भ्रमण पर आने वाले बाहरी किसानों एवं विद्यार्थियों के रूकने के लिये विश्वविद्यालय के किसान घर में सुविधा है।

सम्पर्क सूत्रः इंजी. जितेन्द्र गौड़, संग्रहालय प्रभारी अधिकारी (मो. 9414264790)
डॉ. सीमा त्यागी, संग्रहालय सह–प्रभारी अधिकारी (मो. 9828193481)

संग्रहालय में लगे फ्लेक्स का चित्रण

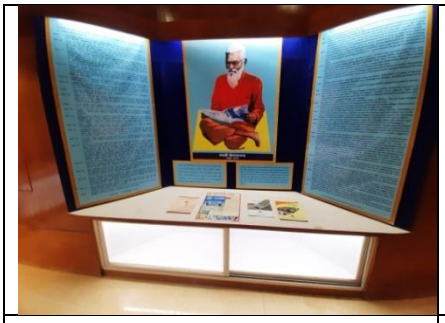		
1	2	3
		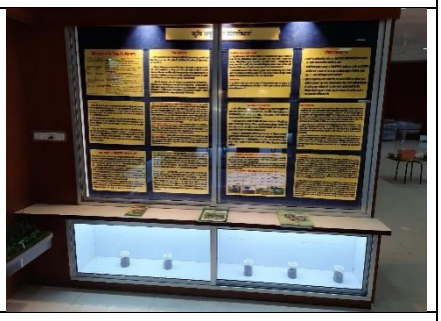
4	5	6
7	8	9
10	11	12
13	14	15

16	17	18
19	20	21

संग्रहालय में लगे विभिन्न मॉडल

सोलर ड्रायर

हाइड्रोपॉनिक्स मॉडल एवं सोलर कुकर

सोलर इंसेक्ट ट्रेपर

बून्द–बून्द सिंचाई का जीवन्त मॉडल

वर्षा जल संचयन मॉडल

रक्षकपट्टी का जीवन्त मॉडल

पवन टरबाइन का जीवन्त मॉडल

''दीनबन्धु'' बायोगैस संयंत्र